[Dr. Nagen Saikia]

people were killed and all those were non-Bodos. It is for the information of the House that the Arunachal Pradesh Chief Minister, who briefed newsmen that 100 people were killed and 60,000 people had fled away to Arunachal Pradesh, has denied this. Now he has said that only 3 dead bodies could be recovered from the dense forests of Arunachal Pradesh. All these fabricated and false stories were given by the Chief Minister of Arunachal Pradesh himself to malign the Assam Government and to fan communal feelings in Assam and to destabilise the Government of Assam. Therefore, I want to know from the Government, through you, Sir, when the Home Minister is coming with facts to the House so that we can get some clarifications from him in this regard.

SHRI KAMALENDU BHATTACHARJEE (Assam): The Chief Minister of Arunachal Pradesh should not generate communalism—it is already there.

DR. NAGEN SAIKIA: On the facts that we have got, the Chief Minister of Arunachal Pradesh should be censured.

SHRI CHATURANAN MISHRA (Bihar): Three dead bodies are there. Unless 97 more are there, how can he make a statement?

उपसभाध्यक्ष (श्री मीर्जा इर्शादबेग) माननीय सदस्यों ने कुछ बातें यहां पर उठायी हैं। जहां तक संविधन संशोधन बिल का सवाल है, अभी हाल यह है कि इसके लिए जैसाकि कहा गया है 16 घंटे मुकर्रर किए गए थे। अभी तक इस पर सिर्फ 6 आनरेबल मेंबर्स ने अपनी राय व्यक्त की है और साढ़े 3 घंटे तक हमने इस पर बहस की है। मैं समझता हूं कि यह बहुत जल्दी होगी कि अभी उसके लिए कोई टाइम फिक्स कर के बताया जाए क्योंकि चर्चा अभी बहुत लंबी चलनी है। इस वजह से मैं समझता हूं कि बहुत जल्दी है। लेकिन फिर भी पार्लिमेंटरी अफेयर्स मिनिस्टर कहीं और काम में रुके हुए हैं, जैसे आएंगे उनसे यह कहा जाएगा कि उनका जो स्टैंड है वह क्लैरीफाय करें। अभी सदन के सामने स्पेशल मेंशन का जहां तक सम्बंध है, ये स्पेशल मेंशन चेयरमेन साहब ने खुद परमिट किए हुए हैं, इसलिए उसका प्रश्न खड़ा नहीं होता। अभी सदन के सामने जो बिजनेस है, वह स्पेशल मेंशन है और मैं श्री मुहम्मद अमीन अंसारी को पुकार रहा हूं कि वह अपना स्पेशल मेंशन करें।

श्री धर्मपाल (जम्मू और कश्मीर): स्पेशल मेंशन का वायलेट भी पी० उपेन्द्र ने किया . . . (**व्यवधान**) . . .

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI MIRZA IRSHADBAIG): It was permitted by the hon. Chairman. Sir, Mr. Ansari.

Problems being faced by Handloom weavers

श्री मोहम्मद अमीन अंसारी (उत्तर प्रदेश): उपसभाध्यक्ष जी, जैसाकि आप जानते हैं पावरलूम व हैंडलूम घरेलू उद्योग हैं। इसमें लगभग 2 करोड़ से ज्यादा लोग लगे हुए हैं और 6 करोड़ लोगों को इस उद्योग से रोजी-रोटी मिलती है।

SHRI RAOOF VALIULLAH: (Gujrat): Sir, kindly restore order in the House. Ask them to leave the House or sit in their seats. Mr. Dipen Ghosh is such a senior Member.

3.00 P.M.

श्री मुहम्मद अमीन अंसारी: उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं कह रहा था कि पावरलूम और हैंडलूम और कालीन उद्योग, यह हिन्दुस्तान के घरेलू उद्योग हैं। इसमें लगभग दो करोड़ लोग लगे हैं और इससे 6 करोड़ लोगों को रोजी-रोटी मिलती है। आज समस्या बड़ी गंभीर है। कॉटन का भाव बढ़ने के हिसाब से, उससे ज्यादा भाव स्पिनिंग मिल वाले, चाहे वह एन०टी०सी० हो

चाहे यू०पी० स्टेट स्पिनिंग मिल हो या दूसरी मिलें हों, उन्होंने मनमाने सूती यार्न के भाव बढ़ा लिए हैं, इसकी वजह से आज हिन्दुस्तान के पावरलूम और हैंडलूम बंद होने शुरू हो गए हैं और लाखों लोग के भुखमरी का शिकार होने का अंदेशा है। मान्यवर, सूत अचानक 13 फीसदी, उसका भाव 10 रुपया बण्डल अचानक बढ़ गया और 80 रुपया फी किलो टेरिकाट, टैक्सराइज और दूसरे जो यार्न हैं उनका भाव अचानक मिल वालों ने बढ़ा दिया। यह तो बड़ा अन्याय है। उनका मुनाफा देखा जाये, उनकी कास्टिंग निकाली जाए। सरकार एक ऐसी टीम बैठाए जो देखे कि मनमाने भाव न बढ़ाएं, जो उनकी कास्टिंग आए, वह कम मुनाफे पर बुनकरी को सूत, चाहे वह टैक्सराइज हो, टेरिकाट हो, पालिस्टर हो या दूसरे यार्न हों या सूती धागा हो या स्टेपल यार्न हो। मान्यवर, सूत महंगा, कपड़ा महंगा, कालीन महंगी होगी, एक्सपोर्ट न हो पाएगा, बिक्री बंद हो जाएगी, भाव तेज हो जाएंगे कपड़े के तो करघे बंद हो जाएंगे। यह एक समस्या है।

मान्यवर, मैं हाऊस के जरिए मरकजी सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं और मुझे बड़ा दुख है कि जब-जब बुनकरों के बारे में मैंने बात रखी है स्पेशल मेंशन के जरिए मैं समझता हूं मुझे एक भी जवाब आज तक नहीं मिला। क्या कार्रवाई होती है? हम जो हाऊस में बोलते हैं क्या उसकी कद्र मंजलत है या उसपर कोई एक्शन होता है या नहीं? 15 महीने हो गए मुझे आज तक जवाब नहीं मिला।

मान्यवर, एक मिसाल मैं आपको एन०टी०सी० मिल की देता हूं। मैं अभी पिछले महीना में अकोला वगैरह की तरफ गया था तो मैंने देखा कि एन. टी०सी० की मिलों में जिस नम्बर का जिस स्टैंडर्ड का वहां कपास लेना था वह कपास जारी करके ट्रक तो आती है इस मिल के लिये मगर रास्ते घुमा दी जाती है दूसरी मिलों में और काटन से 32 नम्बर, 40 नम्बर, 34 नम्बर, 30 नम्बर यार्न बनता है वह कपास नहीं होती दूसरे रद्दी किस्म की कपास से वह धागा बनाते हैं और इसकी वजह से कपड़ा भी खराब निकलता है और यही वजह है कि एन०टी०सी० की मिलों में नुकसान हो रहा है। 10 लाख रुपए से ज्यादा अकोला की एन.टी.सी. मिलों में रद्दी, सड़ता हुआ सूत मैंने स्वयं अपनी आंखों से देखा। (समय की घंटी)..जरा सुन लीजिए। वृषि के बाद यह ताना-बाना आता है। ...(व्यवधान)...

उपसभाध्यक्ष (श्री मीर्जा इर्शादबेग): स्पेशल मैंशन के लिए वक्त बहुत कम होता है, आपने बहुत ज्यादा ले लिया है।

श्री मुहम्मद अमीन अंसारी: बात खतम कर रहा हूं। मान्यवर, एक बात ये कहूं... (व्यवधान)...

उपसभाध्यक्ष (श्री मीर्जा इर्शादबेग): आप प्वाइंट बोल दीजिए।

श्री मुहम्मद अमीन अंसारी: हमारी स्वर्गीया श्रीमती इन्दिरा गांधी जी ने गरीबों को सस्ता कपड़ा मिले, जनता मदौनी धोती और दूसरे कंट्रोल क्लाथ हमारे उत्तर प्रदेश में हैंडलूम कारपोरेशन और यू पी का तैयार करके लोगों को सस्ते दामों, कंट्रोल रेट पर पहुंचाए। मगर आज हालत यह है कि 15 महीने पहले मैंने आग्रह किया था कि जो जनता धोती और कंट्रोल क्लाथ जिसपर करोड़ों रुपया मरकजी सरकार सबसीडी उत्तर प्रदेश को देती है, ताकि वह जनता धोती, कंट्रोल क्लाथ गांवों में, कस्बों में, देहाती में बेची जाए मगर कहीं भी लोगों को नहीं मिलती सब ब्लैक में बेच दी जाती है। और उल्टा जनता धोती ब्लैक के वापस आ रही है मथुरा वगैरह में। हमने मान्यवर माननीय मुख्यमंत्री

[श्री मुहम्मद अमीन अंसारी]

जी को जिला बुनकर सेवा समिति इलाहाबाद की ओर से एक मैमोरंडम दिया है और उसमें हमने मुख्य मंत्री जी को कहा है कि जिन संस्थाओं ने मथुरा में जून के महीने में 40 लाख रुपए की जनता धोती बिक्री के लिए दी हैं और आज भी वहां धोतियां आ रही हैं, उनके खिलाफ कार्यवाही की जाए। वह धोतियां सहकारी समिति उत्तर प्रदेश के जरिए खरीदी जाती हैं जिन संस्थाओं को यह जिम्मेदारी दी गई है कि वह उनको गरीब लोगों तक पहुंचाएं। एक गांठ में सौ जोड़े धोती के बनते हैं और वह 800 रुपए फी गांठ ब्लैक में बिक रही है। मेरी मांग है कि उनकी सबसिडी बंद कर दी जाए जो मर्दानी (कंट्रोल क्लाथ) धोती बनाते हैं। मुझे शक है कि केन्द्र में जो टैक्सटाइल के अधिकारी हैं उनकी साजबाज इसमें है इसलिए उनकी तरफ से कोई ऐक्शन नहीं लिया जाता है। अखबार चिल्लाते हैं, मैं आवाज उठाता हूं लेकिन उनके कानों में जूं तक नहीं रेंगती। मैं मांग करता हूं कि इसकी जांच हो, सी० बी० आई० से इसकी जांच कराई जाए। वह जनता धोती, कंट्रोल क्लाथ जिन गावों में, जिन ब्लाकों में, जिन संस्थाओं में खरीदा गया है उनकी जिम्मेदारी है कि उनको गरीब लोगों तक पहुंचाएं। इसलिए ये गरीबों तक क्यों नहीं पहुंचती इसकी सी०बी०आई० से जांच कराई जाए।

मैं आखीर में एक इंसाफ चाहूंगा। मैं कहना चाहता हूं कि कंट्रोल्ड क्लाथ तैयार हो, मगर उसको ऐशेंशल कमोडिटीज ऐक्ट में क्यों नहीं लिया गया है? पांच साल इसको हो गए हैं। इसलिए कि जान बूझकर इसका ब्लैक कराया जा रहा है। राजीव गांधी जी चाहते हैं कि गांवों के लोगों को सस्ता और अच्छा कपड़ा मिले, लेकिन जो सरकारी अमला है वह इसको कामयाब नहीं होने दे रहा है। मेरी आपसे गुजारिश है कि सूत का दाम 20 रुपया बन्डल और टैक्सराइज्ड और टैरीकाट का 80 रुपया जो बढ़ाया गया है उसको कम करवाइए। जो आपकी सरकारी मिलें हैं, एन०डी०सी० मिलें हैं या स्टेट सिपिनिंग मिलें हैं उनके डिपो खुलवाकर नो प्राफिट नो लास पर सूत बुनकरों को उपलब्ध कराया जाए। यही मेरी आपसे गुजारिश है।

डा. रत्नाकर पाण्डेय (उत्तर प्रदेश): श्रीमन्, मैं इसको सपोर्ट करता हूं। जनता धोती में जो भी भ्रष्टाचार कर रहे हैं उनके ऊपर सख्त कार्यवाही करनी चाहिए, इसकी सी०बी०आई० से जांच होनी चाहिए।

श्री शान्ति त्यागी (उत्तर प्रदेश): श्रीमन्, मैं भी इसको सपोर्ट करता हूं।

Need for speedy measures to improve the lot of Scheduled Castes and Scheduled Tribes

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI MIRZA IRSHADBAIG): Mr. J. S. Raju. This is hon. Member's maiden speech.

SHRI J. S. RAJU (Tamil Nadu): Mr. Vice-Chairman, Sir, at the outset, I would like to thank you for giving me this opportunity to make my maiden speech.

At this momentous moment, I thank my beloved leader, Dr. Kalaignar for elevating me to this status.

It is a well-known fact that the founder leader of the D.M.K., Arignar Anna, adorned this House from 1962 to 1967, till he was called upon to take the reigns of the Government of Tamil Nadu and it will be redundant to enumerate the services rendered by our great leader.

In his maiden speech he pleaded for the poorest of the poor, the homeless and the totally uncared for human beings. He also stated that it was his mission to extricate these down trodden masses from the miseries, and it is my bounden duty to mention that my leader, Dr. Kalaignar, has sent me to this august body to continue the task.